

जूट हैंड बैग के निर्माण पर कौशल विकास प्रशिक्षण

19 जनवरी, 2024, कोलकाता:

आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल फाइबर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोलकाता द्वारा आयोजित "जूट हैंड बैग के निर्माण" पर दस (10) कार्य दिवसों का स्व-प्रायोजित प्रशिक्षण 19 जनवरी, 2024 को पूरा हुआ।

समापन सह प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम में, निदेशक डॉ. डी.बी. शाक्यवार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन के लिए सभी प्रशिक्षु प्रतिभागियों को बधाई दी और आज के बाजार की आवश्यकता को पूरा करने के लिए विभिन्न बैगों के निर्माण के लिए नवीन डिजाइन और पैटर्न की जरूरतों पर जोर दिया। निदेशक प्रशिक्षुओं को एक अवसर भी प्रदान करते हैं कि इच्छुक प्रतिभागी संस्थान में आ सकते हैं और संस्थान की सुविधाओं का उपयोग करके जूट बैग की सिलाई के बारे में अधिक सीख सकते हैं।

प्रो. (डॉ.) बी.के. बेहरा, प्रोफेसर, कपड़ा और फाइबर इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली, नई दिल्ली ने अधिक आकर्षक और व्यवस्थित आउटपुट के लिए विभिन्न रंग संयोजनों के साथ अलग-अलग बैग डिजाइन प्राप्त करने के लिए उन्नत सॉफ्टवेयर का उपयोग करने का सुझाव दिया।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. ए.एन. राय ने प्रशिक्षु प्रतिभागियों को प्लास्टिक बैग के स्थान पर जूट बैग की बाजार मांग के बारे में संबोधित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को संस्थान द्वारा आयोजित होने वाले उद्यमिता विकास कार्यक्रम जैसे आगामी कार्यक्रमों के बारे में भी जागरूक किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रधान वैज्ञानिक डॉ. वी.बी.शंभू ने किया। इन दस दिवसीय प्रशिक्षण में नौ (09) प्रतिभागी शामिल हुए हैं।

(सूत्र: आईसीएआर- राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

Skill Development Training on Manufacture of Jute hand Bag

19th January, 2024, Kolkata:

A ten (10) working days self-sponsored training on “Manufacture of Jute hand bag” organized by at ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata completed on January 19, 2024.

In the valedictory cum certificate distribution programme, Dr. D. B. Shakyawar, Director has congratulated all the trainee participants for successful completion of the training programme and stressed upon the needs of innovative design & patterns for manufacturing of different bags to meet the day today market requirement. The Director also offers an opportunity to the trainees that interested participants can come to the institute and learn more about stitching of jute bags using the institute facilities.

Prof. (Dr) B.K. Behera, Professor, Department of Textile and Fibre Engineering, IIT Delhi, New Delhi suggested to use advanced software to get different bag design with different colour combinations for more attractive and systematic output.

Dr. A. N. Roy, former head Transfer of Technology division have addressed the trainee participants regarding the market demand of jute bags in place of plastic bags. He also aware the participants about the upcoming events like entrepreneurship development programme to be organized by the institute.

The programme was coordinated by Dr. V. B. Shambhu, Principal Scientist. Nine (09) participants have joined these ten days training.

(Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)

कार्यक्रम की झलकियाँ/ Glimpses of the Programme



प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थी/ Trainee during training



प्रमाण पत्र प्राप्त करते प्रतिभागी



समापन सह प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम/ Valedictory cum certificate distribution programme

